

अधिकारी
अहकाम
मय हो

वकील उमयपक्ष उपर। वकील उमयपक्ष
के बयान सुने गये। पत्रावली करते
आदेश दिनांक 29-10-20 के देश में

अतिरिक्त जिला कलक्टर
भरतपुर (राज.)

29-10-20

वकील उमयपक्ष उपर। प्रार्थना पत्र प्रारम्भिक
आपत्ति पर उमयपक्ष उमयपक्ष को
सुना गया। श्रेष्ठ उमयपक्ष अप्रार्थी
प्रार्थना पत्र प्रारम्भिक आपत्ति प्रस्तुत करती
ने अपने तर्कों में जाहिर किया कि ग्राम
पंचायत के द्वारा पंचायत नियम 157 के तहत
पुराना कब्जा मानते हुये उत्तरवादी गण
के टुक में नियमन (आवंटन) किया गया
है। और पट्टा जारी किया गया है। इस
आदेश आवंटन के विरुद्ध धारा 61 राजस्थान
पंचायती राज अधिनियम के प्रावधान के
अनुसार पंचायत समिति में अपील लाई
करती है। निगरानी नहीं। पक्षकारान के
मध्य जीवानी दावा भी चल रहा है।
प्रस्तुत निगरानी क्षेत्राधिकार के बाहर
होने से क्षीमान न्यायालय में चलने
श्रेष्ठ नहीं रहती है। विचाराधीन
निगरानी त्वा रिज किये जाने की प्रार्थना
की है।


तारीख
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

R.T.O.---

पट्टे व दारिजल वारिज के तहत जो आदेश
दिये जाते हैं। उनकी अपील प० स० में
पेश नहीं होगी बल्कि कलक्टर व एसजीएम
के गह्युं होगी। जमीन ग्राम पंचायत की
नहीं है। बल्कि गृह जमीन गणराज्य लागू
की है। निगरानी को सुनवाई क्षेत्राधिकार
क्षीमान को धाई करता है। प्रारम्भिक
आपत्ति प्रार्थना पत्र वारिज किये जाने
की प्रार्थना की।

हमने पत्रावली का अवलोकन किया।
उभयपक्ष अभिभाषक के कलनों पर गौर
किया। विचारार्थीन प्रकरण निगरानी
क्षेत्राधिकार में नहीं आती है। अस्तु
प्रार्थना पत्र प्रारम्भिक आपत्ति स्वीकार
किया जाता है। निगरानी क्षेत्राधिकार
में नहीं होने के कारण इसी स्टेज
पर वारिज की जाती है। सुमायागण।


अतिरिक्त जिला कलक्टर
भरतपुर (राज.)